



नगरीय समाजशास्त्र का महत्व

UG SEMESTER –III, Core Course 06- Urban Sociology

Dr. Utpal Kumar Chakraborty
Department of Sociology
ABM College, Jamshedpur




नगरीय समाजशास्त्र का महत्व




आधुनिक समाज विकास एवं प्रौद्योगिक विकास का द्योतक है और जैसे-जैसे नगरीकरण एवं औद्योगीकरण की प्रक्रिया में तीव्रता आती है वैसे-वैसे नगरीय समाजशास्त्र की उपयोगिता भी बढ़ती जाती है। ऐसा माना जाता है कि जैसे ही विकास की प्रक्रिया में तीव्रता आती है। वैसे ही समाज में अनेकों कई समस्यायें भी उत्पन्न होती हैं। अतः इन समस्याओं को समझने व निराकरण करने के लिए नगरीय समाजशास्त्र एक महत्वपूर्ण विज्ञान के रूप में उभर कर सामने आ रहा है।


नगरीय समाजशास्त्र के महत्व को निम्नांकित तथ्यों द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है—




1—विशिष्ट शाखा—नगरीय समाजशास्त्र, समाजशास्त्र की एक विशिष्ट शाखा है। जिसके अंतर्गत नगरीय तथा नगरीय परिस्थितियों में व्यक्ति तथा समाज के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों का अध्ययन किया जाता है। जिनका अध्ययन किसी भी अन्य सामाजिक विज्ञान के अंतर्गत नहीं किया जाता है।




2-वैज्ञानिक अध्ययन- नगरीय समाजशास्त्र की प्रकृति वैज्ञानिक है। अतः इसमें वैज्ञानिक अध्ययन पद्धतियों की सहायता से नगरीय सामाजिक समूह, संस्थाएँ, संगठन तथा संरचना का व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध अध्ययन किया जाता है।




3-विभिन्न समस्याओं का अध्ययन- नगरीय समाज एक जटिल समाज माना जाता है। जटिल समाज होने के कारण यहां अनेकों प्रकार की समस्यायें भी उत्पन्न होती रहती हैं। अतः नगरीय समाजशास्त्र के अंतर्गत इन समस्याओं का गहन अध्ययन किया जाता है। जिससे भविष्य में इन समस्याओं को सुलझाने में मदद मिल सके।



4-नगर नियोजन में सहायक- नगरों के विकास में नगर नियोजन का महत्वपूर्ण स्थान होता है। अतः नगरीय समाजशास्त्र इस दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है कि इसने नगरों की संरचना तथा उसे व्यवस्थित रूप प्रदान करके विकास की दिशा में अनेक नगर नियोजन की नीतियों की अध्ययन विषय में सम्मिलित किया गया है।



5—प्रगति एवं विकास में सहायक— नगरीय समाजशास्त्र के अंतर्गत नगरीय संरचना तथा नगरीय समाज के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों का अध्ययन किया जाता है। जिससे उसमें परिवर्तन, विकास तथा प्रगति का भी समय—समय आंकलन किया जा सकता है।



6-नगरीय परिवर्तन- नगरीय समाजशास्त्र में नगरों में होने वाले विभिन्न परिवर्तनों का भी अध्ययन किया जाता है, जिससे नगरीय समाज में होने वाले परिवर्तनों को भी देखा जा सकता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि नगरीय समाजशास्त्र का अपना एक विशेष महत्व है, क्योंकि औद्योगिक विकास ने जहां एक ओर नगरों को विकसित करने में अपना विशेष योगदान दिया है। वहीं दूसरी ओर अनेक नगरीय समस्याओं को भी उत्पन्न किया है। अतः एक पृथक विज्ञान के रूप में नगरीय समाजशास्त्र इन सबका विस्तृत अध्ययन कर उन कारणों की भी व्याख्या करता है। जिससे भविष्य में होने वाले दुष्परिणामों से बचा जा सके।